प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 14 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

हँसी भीतरी आनन्द का बाहरी चिन्ह है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला–कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनन्द से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी–खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है– 'जिन्दगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दादिल क्या खाक जिया करते हैं।' मनुष्य के शरीर वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास–से–उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनन्द एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दुख की दीवारों को ढा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम–से–उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है।

एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

1. हँसी भीतरी आनन्द को कैसे प्रकट करती है? 2

उत्तर : यह मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है कि उसकी प्रसन्नता और उदासी उसके चेहरे से ही प्रकट हो जाती है। यदि व्यक्ति अंदर से उदास है, तो लाख कोशिशों के बाद भी वह उन्मुक्त रूप से नहीं हँस सकता है। यदि उसका मन अन्दर से आनंदित है, अवसाद–रहित है तो उसके चेहरे पर आने वाली उन्मुक्त हँसी अपने आप ही उस आनंद को प्रकट कर देती है।

2. पुराने समय में लोगों ने हँसी को महत्व क्यों दिया? 2

उत्तर : पुराने समय में लोग कहते थे कि 'हँसो और पेट फुलाओ' अर्थात् हँसने से शरीर स्वस्थ रहता है। हँसी अनेकों कला–कौशलों से बेहतर होती है और जो व्यक्ति जितना अधिक हँसता है, उसकी आयु उतनी ही ज्यादा लंबी होती है।

3. हँसी को एक शक्तिशाली इंजन के समान क्यों कहा गया है? 2

उत्तर : व्यावहारिक जगत में हम जब भी किसी अवांछित या अनुपयोगी दीवारों (बाधाओं) को गिराना (ढहाना) चाहते हैं, तो एक शक्तिशाली इंजन (बुलडोजर) को उपयोग में लाते हैं। जीवन में आने वाले 'शोक' और 'दुख' ऐसी ही अवांछनीय दीवारें हैं, जिन्हें हँसी (आनंद) रूपी शक्तिशाली इंजन से ढहाया जा सकता है। इसीलिए हँसी को एक शक्तिशाली इंजन कहा गया है।

4. हेरीक्लेस और डेमीक्रीट्स के उदाहरण से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है? 2

उत्तर : हेरीक्लेस और डेमाक्रीट्स के उदाहरण से लेखक यह स्पष्ट करना चाहता है कि 'खिन्नता' और 'खीझ' जीवन की अवधि को कम कर देती है, जबकि 'प्रसन्नता' जीवन–काल को बढ़ा देती है।

5. अच्छा वैद्य क्या करता है? 1

उत्तर : अच्छा वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है।'

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. पद की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 1

उत्तर :

शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होकर व्याकरणिक नियमों में बंध जाता हैं तो उसे पद कहते हैं। जैसे–नेहा हँसती है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. वहाँ जाकर जल्दी आना। (संयुक्त वाक्य में)
उत्तर : वहाँ जाना और जल्दी आना।
2. वे लोग घूमने के लिए बगीचे में गए थे। (मिश्र वाक्य में)
उत्तर : चूँकि उन्हें घूमना था इसलिए वे बगीचे में गए।
3. सोनू ने जब कार्य कर लिया, तब खेलने चला गया। (सरल वाक्य में)
उत्तर : सोनू गृहकार्य करके खेलने चला गया।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
मृगनयनी, यथाशीघ्र
उत्तर : मृगनयनी– मृग रूपी नयनों वाली। (बहुव्रीहि समास)
यथाशीघ्र– शीघ्रता के अनुसार (अव्ययीभाव समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
लोटा और डोरी, वाक में है जो पटु
उत्तर : लोटा और डोरी– लोटा–डोरी (द्वंद्व समास)
वाक में है जो पटु – वाक्पटु (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. क्या आप आ सकेगा?
उत्तर : क्या आप आ सकेंगे?
2. केवल–मात्र चार रुपये दो।
उत्तर : केवल चार रुपये दीजिए।
3. हमारे बैल इधर–उधर भटकते हुए पड़ोसियों के खेत में जा पहुँचे।
उत्तर : हमारे बैल भटकते हुए पड़ोसियों के खेत में जा पहुँचे।
4. गुरू जी हमसे पुस्तक पढ़वाया।
उत्तर : गुरू जी ने हमारे से पुस्तक पढ़वाई।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. हमें बड़ों की बातें ..... लेनी चाहिए।
उत्तर : गाँठ बाँध (गाँठ बाँधना)
2. मेरा अपराध पता लगने पर पिताजी ने मुझे ..... सुनाई।
उत्तर : खरी–खोटी (खरी–खोटी सुनाना)
3. वृद्धा के कपड़े ..... हो गए थे।
उत्तर : तार–तार (तार–तार होना)
4. वनों के कट जाने से पशु–पक्षी इधर–उधर ..... डालने लगे।
उत्तर : डेरा (डेरा डालना)।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. 'बंगाल के नाम पर या कलकत्ता के नाम पर जो कलंक था वह काफी अंश तक धुल गया'– स्पष्ट कीजिए।
उत्तर : यह कहा जाता था कि कलकत्ता में देश की स्वतंत्रता के लिए कोई काम नहीं हो रहा। लेकिन 26 जनवरी, 1931 को जब कलकत्तावासियों ने स्वतंत्रता दिवस की पुनरावृत्ति पर बढ़–चढ़कर भाग लिया उससे कलकत्ता के नाम पर यह कलंक कि यहाँ कोई काम नहीं हो रहा बहुत अंश तक धुल गया। इसमें यहाँ के पुरूषों, महिलाओं, विद्यार्थी संघ एवं युवा वर्ग ने सरकार को खुला चैलेंज देकर झंडा फहराया और प्रतिज्ञा पढ़ी। पूरा दिन–गिरफ्तारियाँ होती रही। लाठी चार्ज होने पर भी लोग अपने संकल्प से डगमगाए नहीं।
2. 'कारतूस' कहानी के आधार पर बताइए कि कर्नल को वजीर अली और रॉबिनहुड में क्या समानता लगती थी?
उत्तर : रॉबिनहुड एक साहसी वीर था वह किसी को भी चकमा देने में माहिर था। इसी प्रकार वजीर अली भी वीर सिपाही था कभी अंग्रेजी सरकार की पकड़ में न आ सका। कर्नल को दोनों में यही समानता लगती थी। दोनों ही वीर, धुन के पक्के व जाँबाज थे।
3. चाय पीने के बाद लेखक ने स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?
उत्तर : चाय पीने के बाद लेखक ने महसूस किया कि जैसे उसके दिमाग की गति मंद हो गई हो। धीरे–धीरे उसका दिमाग चलना बंद हो गया हो उसे सन्नाटे की आवाजें भी सुनाई देने लगीं। उसे लगा कि मानो वह अनंतकाल से जी रहा है। वह भूत और भविष्य दोनों का चिंतन न करके वर्तमान में जी रहा हो। उसे वह पल सुखद लगने लगे।
4. तताँरा–वामीरो की मृत्यु के पश्चात् निकोबार में क्या परिवर्तन आया।
उत्तर : तताँरा–वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से उनके गाँवों की जड़ परंपरा टूट गई। लोगों के एक–दूसरे गाँवों में विवाह होने शुरू हो गए। अब दोनों गाँवों में आपसी विवाह हो सकते हैं।

8. 'बड़े भाई साहब' कहानी में बड़े भाई के असफल होने के और छोटे भाई के प्रथम आने के क्या कारण हो सकते हैं? बहुत अधिक न पढ़ने पर भी छोटा भाई प्रथम आया, इससे प्रेरित होकर क्या आप भी अपनी पढ़ाई के लिए कोई योजना बनाएँगे? 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर : छोटे भाई और बड़े भाई के असफल और सफल होने का मुख्य कारण उनकी प्रतिभा और पढ़ाई का ढंग है। छोटा भाई प्रतिभाशाली है और पढ़ाई को ठीक से समझता है। इसलिए उसे बेकार में रटना नहीं पड़ता। बड़ा भाई मंद बुद्धि है। पढ़ाई उसके लिए हौआ है। वह रटंत को पढ़ाई मानता है जो कि बिल्कुल गलत है।

मैं इन दोनों भाइयों के अनुभव से यह योजना बनाऊँगा कि हमेशा पढ़ाई को समझ कर मन में रखूँगा और बेकार का रट्टा नहीं लगाऊँगा। मैं चौबीसों घंटे किताबों में घुसा रहने की

बजाय संतुलित दिनचर्या बनाऊँगा। खेल, व्यायाम, मनोरंजन, सैर–सपाटे को भी अपनी दिनचर्या में स्थान दूँगा परन्तु पढ़ाई को अनदेखा नहीं करूँगा। मैं रोज का काम रोज करूँगा और पढ़ाई को ध्यानपूर्वक समझबूझ कर करूँगा।

अथवा

'डायरी का एक पन्ना' पाठ में क्या संदेश दिया गया है? 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : भारत को संघर्ष और बलिदान से स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। यह पाठ इसके लिए प्रमाण है। यद्यपि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य की घोषणा कर दी थी, किंतु अंग्रेज शासक आसानी से मानने वाले नहीं थे। उन्होंने भारतीय आंदोलन को दबाने की भरसक कोशिश की। जहाँ सरकार का वश चला, उसने आंदोलनकारियों पर लाठियाँ बरसाई, उन्हें पकड़ा–धकड़ा और जेलों में बंद किया। परन्तु जब भारतीय लोगों पर स्वतंत्रता का नशा पूरी तरह सवार हो गया, तो आजादी प्राप्त हो सकी। इसके लिए भारतीय लड़कियों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, नारियों और सभी वर्गों के लोगों ने लाठियाँ खाई, घरबार छोड़े, त्याग किया, बलिदान दिया, तब कहीं जाकर अंग्रेजों को वापस लौटना पड़ा।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. मीराबाई ने श्रीकृष्ण से अपनी पीड़ा हरने की प्रार्थना किस प्रकार की है? अपने शब्दों में लिखिए।

   उत्तर : मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती करते हुए कहा है कि जिस प्रकार आपने द्रोपदी का चीर बढ़ाकर भरी सभा में दुःशासन से अपमानित होने से उसे बचाया, अपने भक्त प्रहलाद को बचाने हेतु नरसिंह का रूप धारण कर हिरण्यकश्यप को मारा और संकट में पड़े हाथी को मगरमच्छ के मुँह से बचाया। उसी प्रकार आप मेरी पीड़ा भी हरो और मुझे सांसारिक भव–बंधनों से मुक्त करो।

2. पर्वतीय प्रदेश में वर्षा के सौंदर्य का वर्णन 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर अपने शब्दों में कीजिए।

   उत्तर : 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि सुमित्रानंदन पंत ने वर्षा के सौंदर्य का सुन्दर चित्रण किया है। जब वर्षा आती है तो पर्वत के चरणों में सुन्दर ताल बन जाता है जो दर्पण की भाँति लगता है। पर्वत पर खिले फूल पर्वत की आँखे प्रतीत होते हैं ऐसा लगता है कि पर्वत अपनी फूलों रूपी आँखों से ताल रूपी दर्पण में अपना रूप निहार रहा हो। अचानक बादलों से पर्वत घिर जाता है तो इतनी तेज वर्षा होती है जैसे बादलों ने धरती पर आक्रमण कर दिया हो।

3. छाया भी कब छाया को ढूँढने लगती है? 'बिहारी' के दोहे के आधार पर उत्तर दीजिए।

   उत्तर : जेठ की दोपहरी में जब सूरज बिल्कुल सिर के ऊपर आ जाता है तो छायाएँ सिकुड़कर वस्तुओं के नीचे दुबक जाती हैं। छाया भी मानो छाया के लिए तरसने लगती है। इसलिए वह घने जंगलों को अपना घर बनाकर उसी में प्रवेश कर जाती है और दोपहर में बाहर नहीं निकलती।

4. 'तोप' को कब–कब चमकाया जाता है? 'तोप' कविता के आधार पर लिखिए।

   उत्तर : कंपनीबाग में रखी तोप को साल में दो बार चमकाया जाता है– पंद्रह अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) और छब्बीस जनवरी (गणतंत्र दिवस)। कवि के अनुसार पंद्रह अगस्त को भारत स्वाधीन हुआ था। हमने अंग्रेजों को देश से बाहर निकाल दिया था। 26 जनवरी–को देश में भारतीय संविधान लागू हुआ था। इन्हीं दोनों अवसरों पर तोप और कंपनी बाग को चमकाया जाता होगा।

10. 'आत्मत्राण' कविता में कवि ने क्या कहना चाहा है? क्या आप कवि के विचारों से सहमत हैं? 80–100 शब्दों में लिखिए। **5**

उत्तर : 'आत्मत्राण कविता' में कवि ने यह कहना चाहा है कि ईश्वर से दुखों से छुटकारा पाने की बजाय उन दुखों को सहने की शक्ति की माँग करनी चाहिए क्योंकि यदि हम सुखों का भोग करते हैं तो दुखों को भी सहना चाहिए। संसार के दुखों से भागना नहीं चाहिए बल्कि उन्हें निर्भय होकर सहना चाहिए। सदैव आशावादी होना चाहिए। सुख हो या दुख हर परिस्थिति में ईश्वर पर आस्था बनाए रखनी चाहिए।

मैं कवि के विचारों से पूर्णतया सहमत हूँ क्योंकि हमें अपनी मुश्किलों का सामना करना चाहिए। कर्म करने में विश्वास करना चाहिए। स्वयं को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। पुरूषार्थ करके आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। कठिन से कठिन परिस्थितियों में विचलित नहीं होना चाहिए। जो अपनी सहायता स्वयं करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर भी करता है।

अथवा

बिहारी के दोहों में चमत्कार–प्रदर्शन की भावना प्रबल हैं–सिद्ध कीजिए। 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : बिहारी दरबारी कवि थे। दरबार में चमत्कार, सौंदर्य और चकाचौंध का बोलबाला था। वहाँ केवल उसी चीज को सराहा जाता था, जो कलामय हो, चमत्कारी हो, जादुई हो। बिहारी ने इस क्षेत्र में अनूठी कला का प्रदर्शन किया। उन्होंने जितने भी दोहे लिखे, चमत्कार से भरपूर लिखे। एक–एक दोहे में 7–8 वाक्य, अनेक भाव–स्थितियाँ, अनेक अलंकार ठूँसना उन्हीं के वश की बात थी। वे भक्ति भावना में भी कलाकारी ले आते हैं। मानो ईश्वर भी उनकी नटविद्या और कलाबाजी को देखकर प्रसन्न हो जाएँगे। दो उदाहरण देखिए–जेठ की दोपहरी में धूप भी छाँह खोजने के लिए बिहड़ वन में घुस गई। यह कथन कितना चमत्कारपूर्ण है। इसे सुनकर पाठकों और श्रोताओं के मुँह से अपने आप 'वाह–वाह' निकल जाती है। एक अन्य दोहे में 8 वाक्य हैं। 'कहत' आपने आप में एक वाक्य है। 'नटत' भी वाक्य है। यह संक्षिप्तता बिहारी की कला का सुन्दर उदाहरण है।

11.

1. 'टोपी शुक्ला' पाठ के कथानक का उल्लेख करते हुए बताइए कि नाम के चक्कर में क्या का क्या हो जाता है? इस बात से आप क्या शिक्षा ग्रहण करते हैं? (60-70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : नाम किसी व्यक्ति की पहचान होता है। अतः नाम में बहुत कुछ छिपा होता है। प्रायः किसी व्यक्ति का नाम सुनते ही हम उसके बारे में अपनी धारणा बना लेते हैं। इफ्फन का नाम सुनते ही हम धारणा बना लेते हैं कि अमुक व्यक्ति मुसलमान है। हम केवल यहीं तक नहीं रूकते। आगे बढ़कर हम यह भी खुद सोच लेते हैं कि यह व्यक्ति रोज नमाज पढ़ता होगा। यदि हमारे मन में मुसलमान के प्रति अच्छी धारणा है तो हम यह भी खुद मान लेते हैं कि यह व्यक्ति बहुत ही नेक और उदार होगा। इसके विपरीत यदि हम मुसलमानों के विरोधी हैं और उसे आतंकवाद से जोड़ने की धारणा पाले हुए हैं तो हम उसे आतंकवाद का पोषक मानेंगे। हम उससे दूरी बनाने लगेंगे। जब कभी आतंकवाद का हमला होगा तो हम उसे भी दोषी मानने लगेंगे। अतः नाम में बहुत कुछ छिपा है। इसलिए व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने नाम को सार्थक करे तथा ऐसा कोई काम न करे जिससे उसका तथा उसकी जाति का विरोध हो।

दूसरी ओर यह भी सच है कि नाम जाति और परिवार के ही परिचायक हैं उस व्यक्ति के निजी स्वभाव के नहीं। अतः हमें नाम की दीवार को तोड़कर व्यक्ति के मन तक पहुँचने का जोखिम उठाना चाहिए। हो सकता है कि उसका व्यवहार उसके प्रति बनी धारणा के बिल्कुल विपरीत हो।

2. 'सपनों के-से दिन' पाठ में वर्णित तोते के संदर्भ में लेखक को किस बात पर हैरानी थी? क्या विद्यालयों में इस प्रकार के अध्यापक होते हैं? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि आपके मन में शिक्षकों के प्रति कैसी धारणा है? (60-70 शब्दों में समझाइये) 3

उत्तर : लेखक को अपने पीटी मास्टर प्रीतमसिंह को देखकर बहुत हैरानी होती थी। वह मास्टर बच्चों के प्रति बहुत निर्मम होता था। वह बच्चों को मुर्गा बनाता था, बेंत से पीटता था और डराकर रखता था। यहाँ तक कि हेडमास्टर ने उसकी निर्ममता देखकर उसे नौकरी से निलंबित भी कर दिया। परन्तु वह मास्टर अपनी कठोरता पर पछतावा प्रकट करने की बजाय घर बैठ गया। घर जाकर लेखक ने देखा कि वह अपने कमरे में बैठकर पिंजरे में बंद तोते से बातें कर रहा है। लेखक यह देखकर हैरान रह गया। वह सोच भी नहीं सकता था कि कोई कठोर दिल वाला आदमी एक तोते से बातें भी कर सकता है।

आजकल भी ऐसे अध्यापक होते हैं। उनकी आज भी यह धारणा है कि बच्चे तो कठोरता से ही मानते है। प्रायः शारीरिक शिक्षा के अध्यापक शारीरिक दंड को अनुचित नहीं मानते। वे उसे सुधार का हिस्सा मानते हैं। उनको इस मान्यता में आंशिक सत्य भी है। मेरे मन में शिक्षकों के प्रति यह धारणा है कि वे सम्मान के इच्छुक होते है। यदि उन्हें उचित सम्मान दिया जाए तो वे बहुत प्रेम और स्नेह से व्यवहार करते हैं। अध्यापकों के इस विशाल वर्ग में कुछ विचित्र स्वभाव के लोग भी होते हैं। उन पर चर्चा नहीं की जा सकती। वे कुछ विशिष्ट होते हैं। सामूहिक रूप से शिक्षक वर्ग के लोग अधिक स्नेहिल और उदार होते हैं।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **भारत में बाढ़ की समस्या**
   * बाढ़ के कारण * जन-जीवन पर प्रभाव * इससे बचने के उपाय।
2. **सड़क दुर्घटना।**
   * यातायात नियमों की उपेक्षा * असावधानी * नियंत्रण के लिए सुझाव।
3. **मेरा देश।**
   * प्राकृतिक सौंदर्य * सभ्यता और संस्कृति * राष्ट्रीय एकता और समन्वय की भावना।

उत्तर :

1. भारत में बाढ़ की समस्या

बाढ़ प्रकृति का एक बहुत भीषण स्वरूप है। यह भयंकरता का सूचक है, इसका दृश्य बहुत ही भयप्रद होता है। गंगा, यमुना, बिहार की कोसी नदी और उड़ीसा की महानदी आदि नदियों में बाढ़ आती है जिसमें हजारों व्यक्ति काल के गर्त में समा जाते हैं। मकान डूब जाते हैं, खेती नष्ट हो जाती है तथा पशु-धन आदि सब बह जाते हैं। इसके कारण जनजीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है, लोग बेघर हो जाते हैं। फसलें बर्बाद होने के कारण उद्योग-धंधे अस्त-व्यस्त हो जाते हैं। पहनने के लिए वस्त्र का अभाव अन्न-जल की समस्या आदि बाढ़ ग्रस्त लोगों का जीना मुश्किल कर देती है। बाढ़ की विभीषिका से त्रस्त होकर लोगों को मजदूरी करने व बढ़ने के लिए अन्य राज्यों में जाना पड़ता है। बाढ़ एक प्राकृतिक प्रकोप है इसलिए इसे रोकना मुश्किल है, परन्तु इससे बचने के लिए उपाय किए जा सकते हैं। हमारी सरकार इस दिशा में सक्रिय है। उसने अनेक डैमों का निर्माण करवाया जिससे जल पर नियंत्रण किया गया तथा साथ ही साथ जल से बिजली उत्पन्न कर अनेक उद्योग-धंधों के विकास में भी योगदान दिया। हमारा कर्त्तव्य होना चाहिए कि जब कभी भी देश में कहीं भी बाढ़ के रूप में आपत्ति आए तो हम तन मन और धन से बाढ़-पीड़ितों की सहायता करें।

2. सड़क दुर्घटना

भारत के महानगरों की सबसे बड़ी समस्या है सड़क दुर्घटना। इसके पीछे कारण है दिनों-दिन वाहनों की बढ़ती संख्या। ये वाहन यातायात को सुगम और सरल तो बनाते है, परन्तु इन्हीं के कारण जगह-जगह सड़कों पर जाम की स्थिति भी बन जाती है जिससे यातायात बाधित होता है। आज के इस आपाधापी भरे आधुनिक समय में हर मनुष्य की एक ही आकांक्षा है कि वह दूसरों से आगे

निकल जाए। यही प्रवृत्ति सड़कों पर आज भी देखने को मिलती है। वे यातायात के नियमों की अनदेखी करते हैं और सड़क दुर्घटना को न्यौता देते हैं। दिल्ली में सड़क दुर्घटना आम बात बनती जा रही है। बस वाले स्वेच्छा से बस को किसी भी लेन में डाल देते है। उन्हें किसी भी व्यक्ति का डर नहीं रहता। ट्रैफिक पुलिस भी अपने कर्त्तव्यों का पालन सही ढंग से नहीं करती। वे वाहनों की रफ्तार पर भी अंकुश नहीं लगा पाते केवल गाड़ियों का चालान काटने में व्यस्त रहते हैं। अगर हम ट्रैफिक के नियमों का सही ढंग से पालन करें, सड़क पर किसी प्रकार की होड़ न करके सबको एक समान समझें तो सड़क दुर्घटना पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सकता है। कहा भी गया है– "सड़क पर राही भाई–भाई"।

3. मेरा देश

हमारा देश भारत अत्यंत महान् एवं सुन्दर है। भौगोलिक रचना की दृष्टि से हमारे देश का प्राकृतिक स्वरूप अत्यंत मनमोहक है। इसमें हर प्रकार की जलवायु पाई जाती है। इसी भूमि पर 'धरती का स्वर्ग' कश्मीर है, जिसकी मनोरम घाटियाँ, डल झील, शालीमार का निशात बाग हमें स्वप्नलोक की दुनिया में ले जाते हैं। भारत की संस्कृति अत्यंत महान् है। यहाँ की सांस्कृतिक एकता विश्व भर में अनूठी है। इसका इतिहास प्राचीन तथा उतार–चढ़ावों से भरा है। यहाँ हम सभ्यता के विभिन्न स्तरों को एक साथ पनपते देखते हैं और पाते हैं कि फिर भी हम एक राष्ट्र हैं। भारत के महा–मनीषियों ने समन्वय तत्त्व पर हमेशा से ही जोर दिया है। भारतीय मानव सत्य के सभी रूपों और पहलुओं को स्थान देने का और सहिष्णुता विकसित करने का प्रयास करता है। कबीर, जायसी, तुलसी, सूर, मीरा और रैदास आदि भक्त कवियों ने इस समन्वय की भावना को विकसित किया।

13. 'रेल द्वारा बुक करवा कर भेजा गया घरेलू सामान आपके निवास के निकटस्थ स्टेशन तक नहीं पहुँचा।' इसकी शिकायत करने हेतु रेल प्रबंधक को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में
रेल प्रबंधक
मुंबई रेलवे स्टेशन,
मुंबई।

विषय : रेल द्वारा बुक सामान जोधपुर स्टेशन पर न पहुँचने हेतु।

महोदय,

निवेदन यह है कि मैं राजस्थान के जोधपुर क्षेत्र का निवासी हूँ पिछले माह मेरा तबादला मुंबई से जोधपुर हुआ है। मैंने अपना घरेलू सामान मुंबई से जोधपुर आने वाली एक्सप्रेस गाड़ी में दिनांक 5 मई, 2019 को बुक करवाया था लेकिन आज पंद्रह दिन पश्चात भी मेरा अपना सामान अपने घर के निकटस्थ जोधपुर स्टेशन पर नहीं पहुँचा। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इसकी जाँच करवाइए ताकि मेरा सामान मुझे मिल सके। मेरा स्लिप नं. 15465 है।

यदि मेरा सामान मुझे मिल जाए तो मैं आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद
प्रार्थी
रोशन रॉय
दिनांक 20 मई, 2019

अथवा

स्वास्थ्य विभाग के निदेशक को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए कि शहर में बीमारियाँ बढ़ रही हैं लेकिन चिकित्सा सुविधाओं की बहुत कमी है।

उत्तर :

सेवा में
निदेशक
स्वास्थ्य विभाग
नई दिल्ली।

विषय : अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं हेतु।

महोदय,

मैं शालीमार बाग का निवासी अनुज गुप्ता आपसे अनुरोध करना चाहता हूँ कि हमारे राज्य में डेंगू, मलेरिया आदि का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। इसका कारण यह है कि पूर्णतया सफाई की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शहर में मक्खियाँ–मच्छर बढ़ते जा रहे हैं। दूसरी ओर समस्या यह है कि अस्पतालों एवं डिस्पेंसरियों में पर्याप्त सुविधाएँ नहीं है। डॉक्टर समय पर बैठते नहीं और दवाइयों की कमी है। यदि मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना हो तो वहाँ बेड एवं कर्मचारियों की कमी है। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप इस ओर ध्यान दें और अपने राज्य की समस्याओं को सुलझाने का प्रयत्न करें।

धन्यवाद!
प्रार्थी
अनुज गुप्ता
निवासी शालीमार बाग
दिनांक : 28 अगस्त, 2019

14. प्रथम सत्र की परीक्षा के बाद अभिभावकों की बैठक होनी है। इस बारे में उन्हें आमंत्रित करते हुए लगभग 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें। 5

उत्तर :

सूचना पट्ट

गायत्री देवी विद्यालय

सूचना

अभिभावक बैठक हेतु

प्रिय साथियो, दिनांक : 05 नवंबर, 2019

आप सभी को सूचित किया जाता है कि प्रथम सत्र की परीक्षाओं के पश्चात् अभिभावकों की बैठक दिनांक 10 नवंबर, 2019 को प्रातः 8.00 बजे से 11.00 बजे तक होनी निश्चित हुई है। आपसे अनुरोध है कि अपने अभिभावकों को इसकी सूचना दें एवं समय पर पहुँचने के लिए प्रेरित करें।

राजीव सिंह
(सचिव)

अथवा

आपके विद्यालय में निःशुल्क 'नेत्र चिकित्सा शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। सूचना पट्ट पर विद्यालय के सचिव की ओर से 40–50 शब्दों में सूचना जारी करें।

उत्तर :

सूचना पट्ट

एल. बी. एस. विद्यालय

अशोक नगर

दिल्ली

सूचना

नेत्र चिकित्सा शिविर

प्रिय साथियों दिनांक : 7 अप्रैल, 2019

आप सबको सूचित किया जाता है कि फोर्टिस अस्पताल के सौजन्य से हमारे विद्यालय में दिनांक 15 अप्रैल को प्रातः 9:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक 'नेत्र चिकित्सा शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। आप सबसे अनुरोध है कि आप अपने अभिभावकों एवं परिजनों के साथ आकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएँ एवं निःशुल्क नेत्र परीक्षण का लाभ उठाएँ।

संजय कुमार
(सचिव)

15. गाँव में बाढ़ आ गई है। दो मित्र उन पीड़ितों की सहायता के लिए जाना चाहते हैं। आप उनके मध्य हुए संवाद को लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सुरेश : मनोज, आज का समाचार-पत्र पढ़ा?

मनोज : हाँ यार, बाढ़ के कारण गाँववालों का बुरा हाल हो गया है। सारी फसलें नष्ट हो गई हैं। गाँववासी बेघरबार होकर शहरों में लाए जा रहे हैं।

सुरेश : यार, मेरे मन में आ रहा है कि कुछ किया जाए।

मनोज : हम क्या कर सकते हैं?

सुरेश : हम कुछ सहायता तो कर ही सकते हैं!

मनोज : हमारे पास साधन भी तो नहीं।

सुरेश : हम उनके लिए कुछ साधन जुटा तो सकते हैं!

मनोज : यार, कहना आसान है। कौन हम पर विश्वास करेगा?

सुरेश : देख भाई! यूँ घर बैठे बातें फोड़ने से तो कुछ नहीं होगा। हम उन कैंपों में चलते हैं, जहाँ इन्हें बसाया जा रहा है। वहाँ जाकर देखेंगे और जो सहायता बन पड़ेगी, करेंगे।

मनोज : तो चलें।

सुरेश : नेकी और पूछ-पूछ! मैं आ रहा हूँ।

मनोज : चलेंगे कैसे?

सुरेश : तेरे पास साइकिल है न! मैं भी साइकिल लेकर आ रहा हूँ।

मनोज : ठीक है, मैं इंतजार कर रहा हूँ।

अथवा

परीक्षा में आपकी शानदार उपलब्धियों पर आपके और आपके पिताजी के बीच हुए संवाद को लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

पिता : वाह! बेटे, तूने तो मेरा सपना पूरा कर दिया।

पुत्र : (चरण स्पर्श करते हुए)-पिताजी, आप खुश हैं। मेरी सबसे बड़ी सफलता तो यह है।

पिता : मैंने यह सपना तो देखा था कि तू स्कूल में टॉप करेगा। परन्तु पूरे बोर्ड में टॉप करने का कभी सोचा भी नहीं था।

पुत्र : हाँ, इस पर तो मुझे भी विश्वास नहीं हो रहा।

पिता : अब तू क्या सोचता है? क्या तेरा लक्ष्य बदल गया है?

पुत्र : नहीं, लक्ष्य तो नहीं बदला। परन्तु विश्वास बढ़ गया है। लगता है कि मैं कुछ भी सोच लूँ तो उसे पूरा कर सकता हूँ।

16. विद्यार्थियों की जरूरत के हर सामान के लिए उपलब्ध 'कामधेनू' भंडार का विज्ञापन 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

कामधेनू भंडार

सोचिए मत आइए

और हर प्रकार का सामान ले जाइए

- सभी प्रकार की पुस्तकें
- घरेलू सामान
- खान-पान के सामान की व्यवस्था
- सामान्य वस्त्र भंडार
- जूते-चप्पलें
- मनोरंजन स्थल

सम्पर्क:

ब्लॉक-अ , दुकान न. 105

क्राउन इंटीरियर, रोहतक

अथवा

आप एक अच्छे चित्रकार हैं। अपने चित्रों की प्रदर्शनी के लिए लगभग 25–50 शब्दों का एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

चित्र प्रदर्शनी

सुन्दर, आकर्षक, कम दाम

दिनांक- 10 मई, 2019 से 13 मई, 2019 तक।

प्रत्येक आयुवर्ग हेतु।

- जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जुड़े चित्र
- संस्कृति और वेशभूषा को प्रदर्शित करते चित्र
- मन की गहराइयों को छूने वाले
- धार्मिक चित्रों का विशेष संग्रह
- आकर्षक रंग-बिरंगे चित्र

प्रवेश शुल्क- 50/- (प्रति व्यक्ति)

संपर्क

विक्रम ओझा

हिमालय आर्ट गैलरी, शिमला

मोबाइल नं. 9400520520

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

WWW.CBSE.ONLINE

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.